(b) if so, whether any maximum limit has been fixed for the export of wheat products; and

(c) whether such exports will have any adverse effect on the availability of wheat products in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. R. DAS MUNSHI): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) No, Sir.

Fire in Ansal Bhavan

194. PROF. C. LAKSHMANNA:
SHRI B. SATYANARAYAN REDDY:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state.

(a) whether any action has been taken against the builders of Ansal Bhavan in New Delhi for the deficiencies in the construction of the building that led to a devastating fire there recently causing loss of life and property; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) and (b) The Lt. Governor, Delhi has ordered a Magisterial enquiry into the serious incident of fire in Ansal Bhavan on the 29th June, 1987. The Delhi Police has also registered a case under sections 436|336|337|304-A IPC.

हिन्दी सलाहकार समिति

195. श्री जगदीश प्रसाद यादव :
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की जितनी बैठकें आयोजित की गयीं, उनकी संख्या कितनी है और अपेक्षित संख्या में बैठकों का आयोजन न किए जाने के क्या कारण हैं;

(ख) पिछले 18 वर्षों के दौरान राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम को लागू न करने के क्या कारण हैं और क्या इस कार्यक्रम को वर्ष 1987-88 के दौरान लागू किया जायेगा

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से कितने पत्र, आदेश इत्यादि प्राप्त हुए और उनके क्रियान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(घ) राजभाषा क्रियान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्य में से कितने प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी) : (क) हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक तीन महीने में एक बार होना अपेक्षित है । 30 जून, 1987 को समाप्त होने वाले पिछले दो वर्षों के दौरान, समिति की 26-8-1985 को केवल एक बैठक हुई । वाणिज्य मंत्रालय का विभाजन होने तथा नवम्बर, 1985 में अलग वस्त्र मंत्रालय की स्थापना होने एवं वाणिज्य मंत्रालय में पूर्ति विभाग के शामिल होने के फलस्वरूप समिति कार्यशील नहीं रही और राजभाषा विभाग के अनुमोदन से उसे पुनर्गठित करना पड़ा । पुनर्गठित समिति 29-4-1987 को अधिसूचित की गई है ।

(ख) मंत्रालय राजभाषा अधिनियम और साथ ही हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए प्रयास करता रहा है ताकि [illegible] राजभाषा अधिनियम, 196[illegible] 3(3) के अन्तर्गत आने वाले [illegible] रूप में जारी किए [illegible] । इस प्रतिरिक्त

वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ निम्नोक्त उपाय किए गए हैं :—

(1) उन सभी टाइपिस्टों को जिन्हें अभी तक हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षित नहीं किया गया है, हिन्दी टाईपिंग का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रयोजन के लिए मंत्रालय में ही एक हिन्दी टाइपिंग प्रशिक्षण यूनिट आरम्भ किया गया है ।

(2) मंत्रालय में हिन्दी आशुलिपिकों के एक पूल की व्यवस्था की गई है ताकि हिन्दी में टिप्पण तथा ड्राफ्टिंग का डिक्टेशन देने के लिए अधिकारी उनकी सेवाओं का उपयोग कर सके ।

(3) मंत्रालय में तीन अनुभागों अर्थात् रोकड-1, रोकड-2 तथा स्थापना 4 सभी स्तरों पर अपना कार्य केवल हिन्दी में करने के लिए अभिज्ञात किए गए हैं ।

(4) मंत्रालय के प्रत्येक अनुभाग से ऐसी पांच फाइलें अभिज्ञात करने के लिए कहा गया है जिनमें केवल हिन्दी में कार्य किया जाए

(ग) पिछले तीन वर्षों, अर्थात् 1985, 1986 तथा 1987 (30 जून तक) के दौरान राजभाषा विभाग से 501 पत्र/आदेश आदि प्राप्त हुए तथा जहां कहीं भी अपेक्षित था, आवश्यक कार्यवाही की गई है ।

(घ) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा के अनुसार मानीटरिंग पद्धति में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य के आंकड़ों प्रतिशत के रूप में संकलित करने की व्यवस्था नहीं है । तथापि, वे यथासंभव अधिक से अधिक सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में कर रहे है ।

हिन्दी सलाहकार समिति की बैठकें

196. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की कितनी बैठकों का आयोजन किया गया था उनकी संख्या और इस अवधि में वस्तुतः इस प्रकार की कितनी बैठकें आयोजित की गयीं उनकी संख्या कितनी है और अपेक्षित संख्या में बैठकों का आयोजन न किये जाने के क्या कारण है ;

(ख) पिछले 18 वर्षों के दौरान राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम को लागू न करने के क्या कारण है और क्या इस कार्यक्रम को वर्ष 1987-88 के दौरान [illegible] ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से कितने पत्र, आदेश इत्यादि प्राप्त हुए और उनके क्रियान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(घ) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किए जाने वाले कार्यों में कितने प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) दिसम्बर, 1985 में विदेश मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन के बाद इसकी पहली बैठक फरवरी, 1986 में हुई थी और तब से जून, 1987 तक तीन और बैठकें हुई है । सामान्यतः ये बैठकें, हर तीन महीने बाद होनी चाहिए और इस आधार पर अब तक छह बैठकें होनी चाहिए थी । बैठकों की तारीखें अध्यक्ष महोदय के समग्र राजकीय दायित्वों को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधा के अनुसार तय की गई थी ।